केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 46 गुरूवार 4 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली वालों को यमुना की लहरें डरा रही हैं। बाढ़ से हालात बिगड़ने लगे हैं। अपना घरबार छोड़ चुके लोग बिस्किट पर गुजारा कर रहे हैं। यमुना ने बुधवार को जलस्तर का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली में यमुना दोपहर 1 बजे 207 मीटर के निशान को पार कर गई। 1963 के बाद से यह 5वीं बार है जब यमुना ने 207 मीटर के निशान को पार किया है।

दिल्ली के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सड़कें नदियां और बाजार तालाब बन गए हैं। यमुना नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर से जान और सामान बचाने के लिए लोग सुरक्षित जगहों की ओर भाग रहे हैं। मजनू का टीला में दुकानदारों से लेकर मदनपुर खादर और बदरपुर में रहने वाले परिवार अब अस्थायी शेल्टरों में रह रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 7,500 से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित मंगेशपुर नाले का बांध मंगलवार रात को अचानक टूट गया। इससे दिल्ली के झाड़ौदा कलां स्थित गीतांजलि एन्क्लेव में करीब पांच फीट तक पानी भर गया। पुलिस ने पूरी रात राहत–बचाव अभियान चलाया ।

व्यापारी सम्मान दिवस के रूप में मना अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बस्ती ने संगठन का स्थापना दिवस शहर के पंचपेडिया स्थित डी पी यस में स्कूल में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुबाष चंद्र शुक्ल और संचालन महामंत्री संगठन बृजेश प्रताप सिंह मुन्ना ने किया प्रान्तीय उपाध्यक्ष अमरमणि पांड व मंडल प्रभारी,प्रदेश मंत्री राधे श्याम कालापानी बतौर अतिथि उपस्थित रहे ।

संगठन की स्थापना व सम्मान दिवस के रूप में मनाए जाने पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष सुबाष शुक्ल ने कहा कि संगठन की स्थापना ही व्यापारी सम्मान की रक्षा एवं व्यापार को सुगम बनाने के लिए हुआ है । राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय संदीप बंसल जी सदैव व्यापारी हित एवं सम्मान संरक्षण के लिए तत्पर रहते हैं और ये उनके संघर्ष का ही फल है कि भामाशाह जयंती को व्यापारी सम्मान दिवस घोषित करने,10 लाख का व्यापारी दुर्घटना बीमा, जी यस टी स्लैब को 4 से 2 किए जाने,जिलों में

व्यापारी प्रकोष्ठ का गठन जैसे कदम उठाने को सरकारें बाध्य हुई हैं हमारी संगठित शक्ति भविष्य में भी व्यापार को सुगम बनाने व व्यापारी सम्मान बढ़ाने का काम सरकारों को करना ही पड़ेगा ।

महामंत्री संगठन बृजेश सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में स्वदेशी को अपना कर हम अपने अन्नदाता किसानों की आय बढ़ा सकते हैं अपने उद्योग धंधों को बढ़ावा दे सकते हैं और अमेरिका जैसे दादागीरी करने वाले देशों की हेकड़ी निकाल सकते हैं ।

प्रदेश मंत्री राधेश्याम कमला पुरी ने कहा कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल आज देश का अग्रणी व्यापारी संगठन है जो देश के सभी प्रदेशों में व्याप्त है ।और समय समय पर सामुहिक आन्दोलनों से सरकारों को जगाने एवं सचेत रखने का का काम करता रहता है ।

प्रदेश उपाध्यक्ष अमरमणि पांडे ने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा एवं पुराना संगठन आज व्यापारी हित की कोई भी सरकारों से लड़कर मनवाने मे सक्षम है। सम्मानित किए जाने वालों में विश्वनाथ वर्मा,जयेश सिंह,महेंद्र पांडे,बी यम शुक्ल,अभिषेक गुप्ता,सर्वेश श्रीवास्तव,अर्जित कसौधन,हरिओम यादव, कल्लू बाबा, अमीर चंद गुप्ता,सी के अग्रहरि ,दिनेश सिंह विनोद गुप्ता अफजल राजेश चित्रगुप्त ,पंकज त्रिपाठी महेंद्र पांडे, डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी,हरि प्रसाद सिंह आदि रहे!

कार्यक्रम में जयेश सिंह,विश्वनाथ वर्मा,राजेश चित्रगुप्त,राम विनय पांडे, दिनेश सिंह, सरदार प्रभुप्रीत सिंह,डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी अर्जित कसौधन ने भी विचार रखे । इस अवसर पर अन्य व्यापारी संगठन से श्री विश्वनाथ वर्मा तथा आशीष शर्मा ष्कल्लू बाबा ष्ने संगठन में विश्वास जताते हुए संगठन में शामिल हुए और पद भार ग्रहण किया !

कार्यक्रम में गिरधारी साहू सर्वेश श्रीवास्तव, अमीर चंद्र गुप्ता पंकज कुमार त्रिपाठी रमेशसिंह, सत्यपाल सिंह टीटू, लालजी शुक्ला,वीरेंद्र शुक्ला,राहुल हरिओम प्रकाश यादव सी के अग्रहरि ,प्रवीण कुमार चौधरी अभिषेक गुप्ता ,राजेश त्रिपाठी बी यम शुक्ला, राजीव पांडे विनोद चौरसिया ,ओंकार जैसवाल, अफजल, सुनील श्रीवास्तव राम कुमार साहू घनश्याम आदि उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज, फ्लाईओवर निर्माण की मांग को लेकर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने पूर्व सांसद और भाजपा के असम राज्य प्रभारी हरीश द्विवेदी को उनके तेलियाडीह स्थित घर पहुंचकर प्रधानमंत्री और सड़क परिवहन राज मार्ग मंत्री नितिन गड़करी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि हर्रैया में फ्लाईओवर निर्माण कराया जाय। ज्ञापन में अनेक विद्यालयों के समर्थन पत्र वर्ष 2013–14 में किये गये पत्राचार व उसका प्रतिउत्तर भी शामिल है। ज्ञापन लेने के बाद पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि वे सम्बंधित मंत्री से मिलकर हर्रैया तहसील क्षेत्र में ओवरब्रिज और फ्लाईओवर निर्माण कराये जाने की दिशा में प्रभावी प्रयास करेंगे।

ज्ञापन में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 27/28 लखनऊ गोरखपुर के निर्माण में सुरक्षित व सुगम यातायात को नजरंदाज कर जहां दर्जनों प्रमुख चौराहों पर

ओवरब्रिज का निर्माण नहीं किया गया वहीं जनपद में एक ही राजमार्ग पर 40 किलोमीटर के अन्दर दो टोल प्लाजा क्रमशः टोल प्लाजा चौकड़ी व टोल प्लाजा मडवानगर स्थापित कर दिया गया। कारण यहां के तत्कालीन जनप्रतिनिधियों ने उस पर ऐतराज नहीं जताया हर्रैया नगरपंचायत स्थिति मुरादीपुर चौराहे पर ओवरब्रिज न होने के चलते अनेकों घटनायें हो रही है। लम्बे संघर्ष के बाद राम–जानकी तिराहा छावनी में ओवरब्रिज निर्माण कराया व शेष को छोड़ दिया गया। हर्रैया तहसील मुख्यालय के मुरादीपुर सहित बडहर व महूघाट चौराहे को परियोजना निदेशक द्वारा जानबूझ करके नजरंदाज कर दिया गया । हर्रैया मुख्य बाजार से निकलने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर जहां टोल प्लाजा चौकड़ी से हर्रैया के मध्य 10 किलोमीटर की दूरी में महज बभनान चौराहे पर एक अण्डरपास वो भी मानक विहीन होने के चलते लोगों इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन में समस्याओं के समाधान हेतु हर्रैया में मनोरमा नदी के पूर्व से लेकर उपजिलाधिकारी कार्यालय तक फ्लाईओवर व दोनों किनारों पर नाला निर्माण व बड़हर महूघाट सहित जनपद के वंचित अन्य प्रमुख चौराहों पर ओवरब्रिज निर्माण सुनिश्चित कराने व खुले चौराहो की वजह से घटित घटना में घायल हुए घायलों व हताहतों को प्रतिपूर्ति दिलाने की मांग किया गया है।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को ज्ञापन देने वालों में चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' के साथ विनोद तिवारी, दीपक यादव, गणेश पाठक, महेंद्र चौहान, चन्द्र प्रकाश तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी, विमलेश त्रिपाठी, पंकज त्रिपाठी, अखिलेश वर्मा, देवशरण शुक्ल,जगबली सिंह, सुरेन्द्र सिंह, दिलीप पाण्डेय, राजकुमार शुक्ल आदि शामिल रहे।

पल्टूराम के मौत मामले में ओमवीर हास्पिटल का लाइसेंस निरस्त :डा. नवीन कुमार चौधरी की होगी जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य चिकित्साधिकारी ने जांच रिपोर्ट के आधार पर ओमवीर हास्पिटल के लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है और महामाया राजकीय मेडिकल कालेज अम्बेडकरनगर में सह आचार्य पद पर कार्यरत डा. नवीन कुमार चौधरी की पृथक जांच के लिये मेडिकल कालेज को सूचित किया जायेगा। यह जांच मरहा निवासी पल्टूराम का आपरेशन के दौरान मृत्यु के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर जांच समिति ने किया। पल्टूराम के पुत्र वीरेन्द्र प्रताप ने अपने पिता के मौत मामले में लापरवाही का आरोप लगाते हुये कहा था कि डा. नवीन कुमार चौधरी ने आपरेशन में लापरवाही बरती जिससे उनके पिता की मौत हो गई। जबकि सीएमओ द्वारा जिलाधिकारी और मण्डलायुक्त को प्रेषित जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि आपरेशन डा. नवीन कुमार मौर्या ने डा. नवीन कुमार चौधरी की देख रेख और डा. सुरभि की उपस्थिति में पल्टूराम की शल्य चिकित्सा की गई और इसमें कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

–पल्टूराम के बेटे का आरोप डाक्टर को बचा रहे हैं सी.एम.ओ.

प्रेस को यह जानकारी देते हुये पल्टूराम के पुत्र वीरेन्द्र प्रताप ने बताया कि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अर्चना चौधरी और डा. नवीन कुमार को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। डा. अर्चना चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवटिया में चिकित्सा परामर्शी के रूप में संविदा के पद पर कार्यरत है और डा. नवीन कुमार चौधरी महामाया राजकीय मेडिकल कालेज अम्बेडकरनगर में सह आचार्य पद पर कार्यरत है। पल्टूराम के पुत्र वीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि जिस समय उनके पिता का आपरेशन डा. नवीन कुमार चौधरी ने किया उस समय डा. नवीन कुमार मौर्या थे ही नहीं, जांच समिति की रिपोर्ट में अचानक डा. नवीन कुमार मौर्या कहां से आ गये। जांच समिति की रिपोर्ट को आधा अधूरा बताते हुये पल्टूराम के पुत्र वीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अर्चना चौधरी और डा. नवीन कुमार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। यदि पुनः जांच कराकर निष्पक्ष रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही न की गई तो वे अपने मृतक पिता को न्याय दिलाने के लिये सक्षम न्यायालय में जाने को बाध्य होंगे और मुख्य चिकित्साधिकारी को भी पक्षकार बनाया जायेगा।

एक नजर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर कार्यक्रम 5 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रजा– ए– मुस्तफा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी कुसौरा बाजार में 5 सितम्बर को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का कार्यक्रम रखा गया है। उसी दिन प्रातः 10 बजे से मोटरसाइकिल जुलूस निकाला जाएगा। इसकी अध्यक्षता मुमताज अली करेंगे।

यह जानकारी देते हुये प्रबन्धक मोहम्मद इजहारुलहक अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंद अपने–अपने जुलूसे मोहम्मदी के साथ सभा में भाग लेंगे। और धार्मिक व्याख्यान सुनेंगे।

कार्यक्रम को मौलाना मुफ्ती अख्तर हुसैन कादरी साहब मौलाना मोहम्मद फारूक अलिमी साहब मौलाना मोहम्मद सईद साहब नूरानी एवं अन्य धार्मिक विद्वान गण संबोधित करेंगे। सभा की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद इरफान रजा व संचालन मौलाना मोवइजहारुलहक अंसारी करेंगे।

भाजपा टीम ने डीआईजी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती में भारतीय जनता पार्टी की टीम ने बुधवार को डीआईजी बस्ती रेंज को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में जिले की कानून–व्यवस्था से जुड़े छह महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया गया। कार्यालय प्रमुख अमृत वर्मा के अनुसार, पहला मुद्दा जनपद में रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उनके दस्तावेजों के सत्यापन का है। दूसरा मुद्दा ईसाई मिशनरियों और एक विशेष समुदाय द्वारा आर्थिक प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने का है।

टीम ने नगर क्षेत्र में बढ़ती लव जिहाद की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। शहर के प्रमुख चौराहों पर स्थित दिल्ली जूस, छोटू जूस और इंडिया जूस की दुकानों पर केमिकल युक्त जूस बेचने का आरोप लगाया। इन दुकानों पर संदिग्ध नामों से ऑनलाइन भुगतान लेने की शिकायत भी की गई।

पैकोलिया थाना क्षेत्र के कीर्तिपुर गांव में हुई मॉब लिंचिंग का मुद्दा भी उठाया गया। एक हिंदू महिला को बंधक बनाकर पिटाई करने के मामले में पुलिस द्वारा कमजोर धाराओं में केस दर्ज करने का आरोप लगाया गया। सोनहा थाना क्षेत्र के शिवाघाट में दलित बेटी से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधि द्वारा अपराधियों को बचाने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया गया।

ज्ञापन देने वालों में सतेन्द्र सिंह भोलू, दिलीप पाण्डेय, अभिषेक कुमार, विद्यामणि सिंह समेत 11 सदस्य शामिल थे।

संविदा कर्मियों के लिये निगम गठन का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश सरकार द्वारा कल एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए निगम गठन का प्रस्ताव कैबिनेट में पारित होने से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के साथ उनके भविष्य को संबल मिलेगा।

उक्त बातें भारतीय मजदूर संघ जिला मंत्री राहुल श्रीवास्तव ने ब्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश ने इस मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष किया था। संघ ने 27 सितम्बर 2023 को लखनऊ स्थित इको गार्डन में विशाल रैली आयोजित कर निगम गठन एवं वेतन नीति लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। इस विषय पर कई बार संघ के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से वार्ता भी की थी। आज की कैबिनेट बैठक में वह आश्वासन साकार हुआ।

राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि यह निर्णय भारतीय मजदूर संघ के लंबे संघर्ष की ऐतिहासिक जीत है। संविदा व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को अब सामाजिक सुरक्षा प्राप्त होगी और उनका भविष्य भी सुरक्षित होगा। हम इस ऐतिहासिक कदम के लिए मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार के आभारी हैं।

किन्नर आरती की तहरीर पर पिता और उनके दो पुत्रों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बधाई मांगने गये किन्नरों से मारपीट, रूपया, गहना छीन लेने के मामले में कोतवाली पुलिस ने किन्नर आरती की तहरीर पर गन्दा नाला के निकट के निवासी त्रिभुवन शुक्ल और उनके दो अज्ञात पुत्रों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (2), 324 (4) और 18 डी. के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस को दिये तहरीर में किन्नर आरती ने कहा है कि वह अपने

–बधाई मांगने गये किन्नरों से मारपीट से जुडा है मामला

गुरू काजल किन्नर हाल मुकाम बादशाह टाकीज के पीछे थाना कोतवाली की निवासी है और पारम्परिक रीति रिवाज के अनुसार समाज में बधाई मांग कर गुजर बसर करती है। 2 सितम्बर मंगलवार को वह गंदे नाले के पास टावर के समीप बने एक सफेद मकान के सामने साथी माही और जूही किन्नर के साथ खड़े होकर एक अन्य साथी का इन्तजार कर रहे थे। ठीक उसी समय मकान के मालिक जिनका नाम त्रिभुवन शुक्ल बताया उनके दो पुत्र अचानक गेट खोलकर बाहर आये और गालियां देने लगे, मारा पीटा, 4 हजार रूपया दो कानों की सोने की बाली छीन लिया। स्थानीय लोगों के आ जाने पर किसी तरह से जान बची। कोतवाली पुलिस आरती किन्नर की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की विवेचना कर रही है।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने किया डेकोर एंड इंटीरियर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सांसद राम प्रसाद चौधरी ने बुधवार को प्रकाश भट्टा बांसी रोड के निकट चायात्री डेकोर एंड इंटीरियर का फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा कि बदलते समय के साथ घर के निर्माण और साज सज्जा में निरन्तर नये प्रयोग हो रहे हैं। उपभोक्ताओं को कई आवश्यक सामग्री बाहर से मंगवाना पड़ता था। चायात्री डेकोर एंड इंटीरियर निश्चित रूप से जहा साज सज्जा में सहयोगी बनेगा वहीं व्यापार बढने से लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

प्रोपराइटर अभिषेक श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत

करते हुये कहा कि पूरा प्रयास होगा कि उपभोक्ताओं को समुचित दर पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री मिले। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनिल कुमार श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, समीर श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव के साथ ही अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

सड़क का करा लिया बैनामाः मार्ग क्षतिग्रस्त किया:आम आदमी पार्टी ने डीएम से किया मामले की जांच, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आम आदमी पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने बुधवार को जिलाधिकारी को पत्र देकर सार्वजनिक सड़क को कब्जा कर क्षतिग्रस्त कर देने के मामले में जांच कराकर दोषियों से क्षतिपूर्ति लिये जाने की मांग किया है। कुलदीप जायसवाल ने बताया कि डीएम ने मामले की जांच का आदेश दे दिया है।

डीएम को दिये शिकायती पत्र में कहा गया है कि विकासखंड बस्ती सदर की ग्रामसभा जामडीह शुक्ल, लबनापार स्थित वर्षों पुरानी सार्वजनिक सड़क को दबंगईपूर्वक्त क्षतिग्रस्त कर अवरुद्ध कर दिया गया है। यह सड़क जामडीहशुक्ल–लबनापार काली मंदिर से कैली मेडिकल कॉलेज रोड को जोड़ती है और प्रारंभ से ही ग्रामवासियों के आवागमन का प्रमुख मार्ग रही है। पूर्व में नलकूप विभाग की नहर रही यह भूमि बाद में चकरोड के रूप में कायम रही, जिस पर जिला पंचायत निधि से खड़ंजा तथा विधायक निधि से आर.सी.सी. सड़क का निर्माण कराया गया था।

ग्रामवासियों का कहना है कि ग्राम निवासी अखिलेश शुक्ला पुत्र

चंद्रशेखर शुक्ला ने राजस्व विभाग की मिलीभगत से वर्ष 2004 एवं 2019 में इस चलती सड़क का बैनामा करा लिया। आरोप है और उन्होंने दबंगई कर रातों–रात आर.सी.सी. व खड़ंजा तोड़कर मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया और रास्ते का स्वरूप बदल दिया। इतना ही नहीं, ग्राम समाज के तलैया पर भी कब्जा कर लिया गया, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया और ग्रामसभा की संपत्ति को भारी क्षति पहुँची।

डीएम को दिये ज्ञापन में प्रकरण की निष्पक्ष जांच हेतु एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित किये जाने, क्षतिग्रस्त सड़क की लागत का आकलन कर दोषियों से क्षतिपूर्ति कराने, चलती सड़क पर हुये अवैध बैनामा को तत्काल निरस्त कर, संबंधित राजस्व कर्मियों एवं दोषियों पर विधिक कार्रवाई किये जाने, ग्रामवासियों के हित में मार्ग को शीघ्र पुनः शुरू कराये जाने, ग्राम समाज के तलैया को कब्जा मुक्त कराने आदि की मांग शामिल है।

आम आदमी पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने डीएम को ज्ञापन देने के बाद कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामवासियों के साथ आम आदमी पार्टी व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगी। ज्ञापन देते हुये पूर्व ग्राम प्रधान प्रत्याशी वृहस्पतिमणि त्रिपाठी, पं. कुश शुक्ल, पवन कुमार शुक्ल, चन्द्र प्रकाश चौधरी, दुर्गेश चन्द्र शुक्ल, शेषपाल चौधरी आदि शामिल रहे।

नगर पंचायत नगर के नवनिर्मित कार्यालय भवन का नाम होगा अटल भवनः बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के नवनिर्मित कार्यालय भवन का नामकरण देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी के नाम पर अटल भवन रखा जाएगा। नगर पंचायत के सभागार का नाम अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह के नाम पर किया जाएगा। कार्यालय परिसर में विभिन्न वार्डों से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों तथा महापुरुषों के नाम पर एक गौरव स्तम्भ का निर्माण कराया जाएगा। वर्तमान नगर पंचायत कार्यालय फुलवरिया को बहुदेशीय भवन एवं बारात घर बनाकर नगर पंचायत के आय का साधन बढ़ाया जाएगा। पूर्व में निर्मित राजकोट के पास बारात घर को सुव्यवस्थित और पुनर्निर्मित कर बहुउपयोगी बनाया जाएगा। पी० पी० पी० मॉडल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा लोहे की अस्थाई दुकानों का निर्माण कराकर युवाओं को रोजगार तथा नगर पंचायत की आय का साधन बढ़ाया जाएगा। अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के कुल गुरु महर्षि वाशिष्ठ सहित अन्य महापुरुषों के नाम पर स्वागत द्वार बनाने का प्रस्ताव किया गया है। स्वाधीनता सेनानी सरजू भगत निषाद और वीर शिरोमणि रूपन बारी के नाम पर स्वागत द्वार निर्माण की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि नगर प्रदेश की पहली नगर पंचायत है जहां पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगर बाजार में विद्यार्थियों के लिए अंतरिक्ष प्रयोग शाला का निर्माण किया जा रहा है।

नगर पंचायत द्वारा सभी परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास चलाने की व्यवस्था कराई जा रही है। एक एलोपैथिक अस्पताल के संचालन की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिसमें एम० बी० बी० एस० चिकित्सक सहित अनेक प्रशिक्षित स्टाफ नैनात किए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों को लाभान्वित कराया जाएगा। सदन में प्रस्ताव पारित हुआ कि नगर पंचायत की चल अचल संपतियों के विवादों को हल करने के लिए विभिन्न न्यायालयों में नगर पंचायत द्वारा अधिवक्ता नियुक्त किया जाएगा। नगर पंचायत के होर्डिंग पर प्रचार के लिए किराए की धनराशि तय की जाएगी और अवैध ढंग से होर्डिंग का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। दीपावली और छठ के आगामी त्यौहारों को देखते हुए आयोजन स्थलों तथा मंदिरों पर भव्य तैयारियां की जाएगी और सार्वजनिक स्थलों, रास्तों पर स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे।नगर पंचायत मुख्यालय को जोड़ने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़कों के चौड़ीकरण और जर्जर सड़कों की मरम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों और शासन प्रशासन से अनुरोध किया जाएगा। पर्यावरण सन्तुलन के लिए वन विभाग से समन्वय स्थापित कर सभी मुख्य मार्गों पर वृहद वृक्षारोपण कराया जाएगा। अघोषित विद्युत कटौती और सभी वार्डों में जर्जर खम्भे, तार बदलने तथा ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि हेतु पुनः विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों और शासन को अवगत कराया जाएगा। लापरवाह विद्युत कर्मियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु शासन प्रशासन को लिखा जाएगा। विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाएगी। सरकारी जमीनों पर हुए अतिक्रमण को जिला प्रशासन के सहयोग से खाली कराया जाएगा। लाश शव को सुरक्षित रखने के लिए मर्चरी बॉक्स क्रय किया जाएगा।

अधिशाषी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं को पात्रों तक पहुंचाने के लिए नगर पंचायत कटिबद्ध है। बैठक में सभासद रंजना देवी, सबीना परवीन किरन देवी, कांति देवी, आकर्षि जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, राम सजन यादव, विजय साहनी, वीरेंद्र कुमार, अखिलेश यादव, सत्यराम निषाद, संदीप कुमार ने आवास, स्वच्छता सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा में भाग लिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 सितम्बर 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

चिप के क्षेत्र में भारत

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णतः स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया–2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा–सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान–विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है।

निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान–विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल,राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों–करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा।

जल प्रलय जैसे हालात से जूझती जिन्दगी

—तनवीर जाफरी—

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे जरूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल ब्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई जिले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150–200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्रायः फेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व गैर जिम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रजाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फेंक देने जैसी गैर जिम्मेदाराना प्रवृत्ति, जल निकासी प्रणाली के फेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है।

एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये जरूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गई थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनजर भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं।

भारतीय पंजाब के जो जिले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोजपुर व फजिल्का के नाम खासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फसल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रस्त हो गये। दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है। एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में करीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि–प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रस्त हो गयीं । अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब डूब गया। कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रस्त होने के चलते 1,000 से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें होने की खबर है।

अभी तक जो अनुमान लगाया जा रहे उसके मुताबिक धान, गन्ना व मक्का की लगभग 1.5 लाख एकड़ फसल पूरी तरह डूब गई। पंजाब में लगभग 3 लाख एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गयी। इन बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के किसानों को सितंबर–अक्टूबर में होने वाली रबी की फसलों में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है। पंजाब में आई बाढ़ से हुआ अरबों रुपये का यह नुकसान खाद्य मुद्रास्फीति को भी प्रभावित करेगा। बाढ़ और बारिश–संबंधी हादसों के भारत व पाकिस्तान में अनेक मौतें भी हुई हैं जबकि अनेक लोग लापता भी हो गए हैं। इसी तरह हजारों पशुओं के बह जाने, मरने,बीमार पड़ने के साथ साथ उनके चारों की भी भारी कमी दर्ज की जा रही है। इन्हीं हालात में बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है। इससे पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।आपदा के इस समय में सेना एनडीआरएफ व एसडीआरएफ द्वारा 5,000 से अधिक लोगों की जान बचाई गयी व उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। इन ऑपरेशन्स में चिनूक हेलीकॉप्टर, चीता हेलीकॉप्टर,नावें और एम्फीबियन वाहन इस्तेमाल किये गये ।

पंजाब और खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली असाधारण बारिश व बादल फटने जैसी अनेक घटनाओं ने मौसम वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों को हैरत में डाल दिया है। इन हालात के लिये जहाँ दुर्लभ परिस्थितियों में पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी मौसम प्रणालियों के एक साथ आने को जिम्मेदार माना जा रहा है वहीं ग्लेशियर का लगातार पिघलते जाना भी बाढ़ को और अधिक भयावह बना रहा है। माना जा रहा है कि यह बाढ़ 1988 की उस भीषण बाढ़ से भी प्रलयकारी है जिसे हजार वर्षों में एक बार आने वाली बाढ़ की संज्ञा दी गयी थी। गोया हमें जल प्रलय के इस सन्देश को समझना होगा कि इन हालात के लिये ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप होने वाला जलवायु परिवर्तन ही सबसे अधिक जिम्मेदार है। और निश्चित रूप से विकास और इसके नाम पर पैदा किये गये ग्लोबल वार्मिंग के यह हालात पूरी तरह मानवजनित हैं।

एचआईवी मरीजों की सुविधा रोकना अमानवीय?

— डॉ. रमेश ठाकुर—

'दक्षिण अफ्रीका' ऐसा मुल्क है जहां 'एचआईवी' मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। मोटे तौर पर तकरीबन ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। दक्षिण अफ्रीका के सामने एचआईवी पर नियंत्रण के लिए मात्र जरिया 'मुफ्त अमेरिकी चिकित्सा सुविधा' मानी जाती रही है? जिसे पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बंद करके का ऐलान कर दिया गया। बंदी के निर्णय के कुछ घंटों बाद ही सुविधाएं भी रोक दी गईं। इससे निश्चित रूप से एचआईवी संक्रमितों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी होगी? होगी क्या, हो ही गई? सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के लिए अमेरिका की मुफ्त चिकित्सा सुविधा वर्षों से जारी थी। सुविधा बंद करके अमेरिका ने अमानवीय चेहरे से परिचय कराकर दुनिया में थू–थू भी करा ली है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कोई ये बात समझाए कि इंसानी जीवन से बढ़कर कोई दौलत, कोई शौहरत नहीं होती? किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को मरीजों के जीवन से साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जीवन बचाने के लिए नफे–नुकासान की परवाह तो कतई नहीं करनी चाहिए।

चिकित्सा सहायता रूकने से एक साथ 2 लाख 22 हजार एड्स संक्रमितों के जीवन को नर्क में धकेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप–शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की बंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप के निर्णयों ने पूरी दुनिया में वैसे ही उथलपुथल मचाई हुई है। इस कड़ी में उन्होंने अफ्रीका के लाखों मरीजों का भी जीवन संकट में डाल दिया है। दक्षिण अफ्रीका सरकार भी हैरान है कि आखिर अमेरिका ने ऐसा अमानवीय कदम उठाया क्यों? ट्रंप के फैसले के बाद मरीज एचआईवी सुविधा केंद्रों पर दौड़े, लेकिन बिना दवाईयों के उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में एड्स पीड़ितों का अधिकृत आंकड़ा जितना है उससे कहीं ज्यादा अनाधिकृत है। मुफ्त सुविधाएं रूकने के बाद गुप्त मरीजों की संख्याओं को देखकर सरकार भी हैरत में है।

मुफ्त सुविधाएं क्यों रोकी गई? इस गणित को समझना भी जरूर है। दरअसल, एचआईवी दवाओं की लागत दवा के प्रकार, भौगोलिक स्थिति और दवा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के आधार पर भिन्न होती है। खरीद में एचआईवी की दवाईयां काफी महंगी पड़ती हैं। कीमतें विभिन्न देशों में अलग–अलग रहती हैं। जगहों के आधार पर दवाइयों में बदलाव भी होता है। भारत में, एचआईवी के लिए 'एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी' और 'एपरेटयूड इनजेक्शन' के अलावा 'ग्लाइड' इस्तेमाल की जाती है जिसके प्रत्येक बॉक्स की कीमत 23 हजार और 15 हजार होती है। बाकी अन्य देश 'टेनोफोविर', 'लेमिवाउडिन', 'डोल्यूटेग्राविर' भी प्रयोग करते हैं। इसके अलावा एचआईवी संक्रमित पर 'न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस इनहिबिटर प्रोटीएस भी उपयोग होते हैं। ये सभी दवाइयां निजी स्तर पर महंगी होती हैं। बिना सरकारी सहायता के कोई आसानी से नहीं खरीद सकता। ज्यादातर देश अपने मरीजों को सब्सिडी देकर कम दामों में मुहैया करवाते हैं। भारत में भी ये दवाईयां बिल्कुल फ्री नहीं हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अमेरिका ने यह फैसला लिया।

दक्षिण अफ्रीका में मुफ्त दवाई वितरण में अमेरिका को सालाना करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा था। अमेरिका सालों से अफ्रीकी लोगों को एचआईवी ग्रस्तों को मुफ्त चिकित्सा मुहैया करवाता आया था। पर, अब उसे घाटे का सौदा दिखने लगा? इसलिए मरीजों की जान की परवाह किए बिना ये गैरजरूरी निर्णय ले लिया। जबकि, उसे पता है कि एचआईवी पीड़ितों की सर्वाधिक संख्या इस समय दक्षिण अफ्रीका में है। अमेरिका शुरू से कहता आया था कि अफ्रीकी लोग संसार के दूसरे देशों में पहुंचते हैं तो वहां भी संक्रमण फैलाते हैं। ऐसा न हो, उसके लिए वह अपने स्तर से वहां फैले एचआईवी को नितंत्रण करने के लिए पीड़ितों का ईलाज करते थे। लेकिन, विगत सप्ताह अचानक निःशुल्क चिकित्सा सहायता पर विराम लगा दिया। जबकि, इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि ऐसा करने से एचआईवी संक्रमितों के जीवन पर बात बन आई है। एड्स के डर से मर–मर कर अपना जीवन जीने वाले मरीज इस सदमे कैसे बर्दाश्त कर पाएंगे। अमेरिका की इस हरकत ने मानवीय पहलूओं का भी अनादर किया है। बंदी के निर्णय के बाद मरीज लगातार क्लीनिकों की ओर दौड़ रहे हैं, भगदड़ जैसी स्थिति बनी हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने निर्णय अचानक लिया, अफ्रीकी सरकार को सूचित भी नहीं किया। 16 क्लीनिकों में 12 क्लीनिक बंद कर दिए जिनमें 63,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। शेष बचे 4 क्लीनिकों में भी जीवनरक्षक दवाईयां पहुंचनी बंद हो गई हैं। इस बात का वैश्विक स्तर पर जमकर विरोध भी हो रहा है। अमेरिका पर पुर्नविचार की मांग उठ रही है। इतना तय है, अगर मदद जल्द बहाल नहीं हुई, तो न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका में लाखों एचआइवी पीड़ितों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि हजारों मौतें भी होनी आरंभ हो जाएंगी। 'गिलियड' एचआईवी पर नियंत्रण करने वाली प्रमुख दवाई मानी जाती है। गिलियड फार्मा कंपनी ने पिछले अक्टूबर–2024 में विश्व की 6 प्रमुख फार्मा कंपनियों के साथ समझौता किया था ताकि गरीब 120 देशों में ये दवा कम कीमत पर उपलब्ध हो। लेकिन कम कीमत के नाम पर ज्यादातर फार्मा कंपनियों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए।

बहरहाल, संक्रमितों के बचे–खुचे जीवन को बचाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा। रोकी गई सुविधाओं की भरपाई का विकल्प खोजना होगा। सुखद खबर ये है कि फिलहाल, अमेरिका ने कुछ आवश्यक जीवनरक्षक सेवाओं को सीमित स्तर पर शुरु करने का आश्वासन दिया है। लेकिन संकट फिर भी बरकरार है, टला नहीं? क्योंकि अमेरिकी हुकूमत पर फिलहाल विश्वास नहीं किया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने भारत जैसे अन्य देशों से भी मदद की गुहार लगाई है। पर, इस सच्चाई से सभी वाकिफ हैं कि एचआईवी निरोधक दवाइयों पर जो सफलता अमेरिका ने पाई है, वैसी किसी दूसरे देश ने नहीं? उनके पास इफाइयों का अच्छा बैकअप है। अफ्रीका को फ्री में शायद ही कोई देश दवाई देने पर राजी हो? इसलिए अफ्रीकी सरकार को अपने बजट में इजाफा कर एचआईवी पीड़ितों के लिए धन आवंटित करना चाहिए, ताकि विदेशों से दवाईयां खरीदी जा सकें। एचआईवी संक्रमण न फैले, इसके लिए जागरूकता अभियान भी छेड़े जाने की जरूरत है।

भारत–रूस और चीन का मेल

—प्रदीप कुमार वर्मा—

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए पचास फीसदी टैरिफ के बाद अब भारत ने अपने नए भागीदारों की तलाश शुरू कर दी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में जापान होते हुए चीन की यात्रा को इसी तलाश का एक अहम पड़ाव मान जा रहा है। रूस से परंपरागत एवं स्वाभाविक दोस्ती के बाद अब भारत ने चीन के साथ भी दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जिसके चलते विश्व पटल पर भारत रूस और चीन का मजबूत "त्रिकोण" बनने के आसार बन रहे हैं। भारत, रूस और चीन के त्रिकोण के बाद टैरिफ के रूप में दुनिया को अमेरिका की चुनौती से राहत मिलेगी। वहीं,विश्व के अन्य देशों द्वारा इस त्रिकोण को अमेरिका के लिए एक कड़ा संदेश माना जा रहा है। फिलहाल हालात ऐसे बने हैं कि रूस और चीन के साथ अमेरिका की कथित दुश्मनी के बाद अब भारत को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। रूस और चीन के साथ भारत के मिलने के बाद अब विश्व पटल पर एक नए "वर्ल्ड ऑर्डर" की तस्वीर भी साफ होने लगी है।

ऐसा लगता है कि इस कवायद में भारत, रूस और चीन के मेल के बाद अमेरिकी ट्रंप कार्ड फेल हो गया है। अब यह भी तय हो गया है कि इस नए वर्ल्ड ऑर्डर में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण होने वाली है। करीब एक पखवाड़े पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने "लिबरेशन डे" पर विदेशी वस्तुओं पर मनमाना टैरिफ लगा दिया था। इसकी बेस लाइन 10 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक रही। इस टैरिफ के पीछे अमेरिका ने "ड्रग्स", "प्रवासी" और "ट्रेड डेफिसिट" तीनों को राष्ट्रीय आपातकाल का बहाना बना डाला। इसी कवायद में ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया। इसके बाद में भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिकी बाजारों में बिक्री और व्यापार के हालात प्रभावित हुए हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए अब भारत ने अमेरिका से इतर दुनिया के अन्य देशों में अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश शुरू कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की जापानी यात्रा इसी तलाश का एक उदाहरण है।

जापान के साथ अच्छी बातचीत करते हुए भारत में अपने हितों को साधते हुए कई अहम समझौते किए हैं। इनमें सबसे आम समझौता जापान के भारत में निवेश से संबंधित है। पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ दिखाकर दुनिया को चौंकाया। अब चीन के तीसरे सबसे बड़े शहर तियानजिन में हुई शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत रूस और चीन की बेहतर दोस्ती ने एक नया त्रिकोण बना दिया है। जानकारों का मानना है कि जिस प्रकार से रूस के राष्ट्रपति पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केमिस्ट्री इस समिट में दिखाई पड़ी है, इसके बाद यह दोस्ती एक प्रकार से अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। उधर, समूचे विश्व पर टेरिफ थोपने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही घर में मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी अदालत ने दो टूक कह दिया कि "राष्ट्रपति टैरिफ नहीं ठोक सकता, यह कांग्रेस का अधिकार है।" यही नहीं, इस टेरिफ को 14 अक्टूबर तक हटाने का आदेश भी आ चुका है।

अगर सुप्रीम कोर्ट ने भी यही फैसला दोहरा दिया तो अमेरिका को लगभग 14 लाख करोड़ रुपये रिफंड करना पड़ सकता है। यही है ट्रंप का अपना खोदा गड्ढा जिसमें आज वह खुद गिर चुके हैं। टेरिफ के संबंध में ट्रंप की दलील है कि अगर टेरिफ हटा दिए गए तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी।" यूरोप से लेकर एशिया तक हालात बदल रहे हैं। भारत निवेश खींच रहा है, ब्रिक्स और आरआईसी की "पहाड़ जैसी मुसीबत" अमेरिका के सामने खड़ी हो रही है और ऊपर से ट्रम्प की तुगलकी नीतियों ने अमेरिकी थिंक टैंकों की नींद उड़ा दी है। शंघाई सहयोग संगठन की समिट में पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है, जिससे उसकी कूटनीतिक छवि प्रभावित हुई है।

6–7 सितंबर को 22 केंद्रों पर होगी पीईटी की परीक्षा, सीसीटीवी कैमरों से रखी जाएगी नजर

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पीईटी) की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह परीक्षा 6 और 7 सितंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर चार पालियों में कुल 40,032 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी। हर पाली में करीब 10,080 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बुधवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पेपर जिला मुख्यालय पर पहुंच गए हैं।

परीक्षा को नकलविहीन बनाने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्टैटिक मजिस्ट्रेट और फ्लाइंग स्क्वॉड की टीमें केंद्रों का निरीक्षण करेंगी। सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती की गई है।

अभ्यर्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश पत्र और पहचान पत्र की जांच के बाद ही उन्हें अंदर जाने की अनुमति मिलेगी। परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कैलकुलेटर और नकल सामग्री ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा

स्मैक तस्करी का खुलासा: पति–पत्नी समेत तीन गिरफ्तार, 22.5 ग्राम स्मैक और नकदी जब्त

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस ने स्मैक तस्करी के एक गिरोह का खुलासा किया है। एसपी विकास कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में कोतवाली देहात पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

3 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम धुसाह में छापा मारा। मौके से कुलदीप पांडेय, उसकी पत्नी संध्या और ददन उर्फ दद्दू को पास से 22.5 ग्राम स्मैक, एक डिजिटल तराजू, मोबाइल फोन और 7,070 रुपए नकद बरामद हुए।

पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि वह अपनी पत्नी संध्या के साथ मिलकर स्मैक की पुड़िया बनाकर बेचता था। उसने दद्दन से दो पुड़िया स्मैक 5,300 रुपए में खरीदी थी। दद्दन ने स्वीकार किया कि वह स्मैक की सप्लाई करता है। उसके पास एक पुड़िया और थी, जिसे वह कहीं और बेचने की फिराक में था। संध्या ने भी स्वीकार किया कि वह अपने पति के साथ स्मैक की पुड़िया बनाती और बेचती थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

60 साल के बुजुर्ग ने मंदिर में भरी नाबालिग की मांग, घर ले जाने से पहले ही रेप

संवाददाता–कुशीनगर। एक शर्मनाक मामला सामने आया है। एक बुजुर्ग ने पहले तो नाबालिग से जबरन शादी की और फिर उसका रेप किया। मामले में पीड़ित नाबालिग लड़की ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

बुजुर्ग पर नाबालिग किशोरी ने गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। लड़की का कहना है कि बुजुर्ग ने उसे मंदिर में ले जाकर पहले तो जबरन उसकी मांग में सिंदूर भरा और फिर उसे घर ले जाने के लिए निकल गया। इसी दौरान बुजुर्ग ने रास्ते में उसका रेप किया और फिर घर ले जाकर भी रेप किया। जानकारी के अनुसार मामला नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। 60 वर्षीय बुजुर्ग पर दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। किशोरी ने पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के दौरान किशोरी ने अपने दिए बयान में कहा कि बुजुर्ग ने बहला फुसलाकर मंदिर में उसकी मांग भरी। किशोरी ने बुजुर्ग पर मंदिर से घर लौटते वक्त झाड़ियों में रेप करने का आरोप लगाया है। नाबालिग ने बताया कि बुजुर्ग आरोपी ने घर ले जाकर फिर उसके साथ हैवानियत की। लड़की की तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने लड़की के बयान के आधार पर जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में लड़की की ओर से शिकायत मिली है। लड़की नाबालिग है और उससे जबरन शादी के बाद रेप के आरोपों के तहत बुजुर्ग के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बुजुर्ग को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

आरओएच डिपो स्थापित कर रहा नया कीर्तिमानः अब तक 169 वैगनों का ओवरहालिंग

संवाददाता–गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे का गोंडा में स्थित आरओएच डिपो ने वैगनों के रखरखाव में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की देखरेख में यह डिपो प्रीमियम रेक परीक्षण के लिए पूर्वोत्तर रेलवे का एकमात्र प्रमुख केंद्र बन गया है। आरओएच यानी रूटीन ओवरहालिंग हर दो साल में वैगनों की गहन जांच के लिए की जाती है। इसमें वैगनों के व्हील,एक्सल, सीटीआरबी, एयर ब्रेक सिस्टम और कप्लर की जांच होती है। यह प्रक्रिया वैगनों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। गोंडा डिपो में बीसीएन,बीआरएन और बीवीसीएम वैगनों का रखरखाव होता है और गोंडा आर.ओ.एच. डिपो को उपलब्धियों का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। 1984 में यहां पहली बार रेक परीक्षण की शुरुआत हुई और मई 2006 में प्रीमियम रेक परीक्षण की सुविधा भी शुरू हुई। फरवरी 2019 में 10 वैगन प्रति माह के लक्ष्य के साथ आर.ओ.एच.डिपो का उद्घाटन किया गया। जिसके बाद इसने लगातार अपनी क्षमता में वृद्धि की है। मार्च 2021 तक 47 वैगनों का आर.ओ.एच, मार्च 2022 तक 103, मार्च 2025 तक 154 और अगस्त 2025 में अब तक का सर्वाधिक 169 वैगनों का आर.ओ.एच. पूरा किया गया जो डिपो की कार्यक्षमता और समर्पण को दर्शाता है। भविष्य में डिपो का लक्ष्य अपनी मौजूदा क्षमता को और बढ़ाना है। यह डिपो अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं और कुशल कर्मचारियों के साथ रेलवे के परिचालन को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता के अनुसार, डिपो अत्याधुनिक सुविधाओं और कुशल कर्मचारियों के साथ रेलवे परिचालन को और सुरक्षित बनाने के लिए काम कर रहा है। महेश गुप्ता ने बताया कि आर.ओ.एच. एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो प्रत्येक दो साल में वैगनों की गहन जांच और मरम्मत के लिए की जाती है। इसमें वैगनों के व्हील,एक्सल, सी.टी.आर.बी., एयर ब्रेक सिस्टम और कप्लर जैसे महत्वपूर्ण हिस्सों की गहनता से जांच और मरम्मत की जाती है। मुख्य उद्देश्य वैगनों की परिचालन सुरक्षा को सुनिश्चित करना और यात्रा के दौरान होने वाली तकनीकी विफलताओं को कम करना है। गोंडा डिपो में बीसीएन, बीआरएन और बीवीसीएम जैसे महत्वपूर्ण वैगनों का अनुरक्षण किया जाता है जो रेलवे के माल–ढुलाई परिचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों को वितरित की गई बाढ़ राहत सामग्री, गांव के चारो तरफ पानी

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा और सरयू नदी के बढ़े जलस्तर से गोंडा जिले में बाढ़ की स्थिति बन गई है। तरबगंज तहसील क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के चारों तरफ पानी भरा हुआ है, जिससे ग्रामीणों को जीवन यापन करने में काफी दिक्कतें हो रही है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर तहसील तरबगंज के बाढ़ प्रभावित गांव बहादुरपुर में सैकड़ों ग्रामीणों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। बाढ़ से गांव का जन–जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।बहादुरपुर में विशेष शिविर लगाया गया।

प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री, स्वच्छ पेयजल और दवाइयां दी गई। साथ ही मच्छरदानी, सैनिटरी किट और जल–रोधी तिरपाल भी वितरित किए गए। रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं भी लोगों को दी गई। राहत वितरण की निगरानी उपजिलाधिकारी तरबगंज ने की। खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार और राजस्व व पंचायत विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि राहत सामग्री जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि प्रशासन बाढ़ पीड़ितों के साथ है। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रभावित लोग जल्द सामान्य जीवन में लौट सकें। डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि जिन गांवों के चारों तरफ पानी भरा हुआ है उन गांव के लोगों को तत्काल और भी बाढ़ राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

बिजली की चपेट में आने से मजदूर की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के तेजवलिया गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। सतीश सिंह के निर्माणाधीन मकान पर काम कर रहे मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। बुधवार सुबह करीब 9 बजे 42 वर्षीय मजदूर गुड्डू चौहान सरिया उठाने गए थे। मकान के पास से गुजर रही बिजली लाइन के संपर्क में आने से सरिया में करंट आ गया। जैसे ही गुड्डू ने सरिया को छुआ, वह करंट की चपेट में आ गए। मकान मालिक तुरंत घायल मजदूर को लेकर अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक गुड्डू चौहान अपने पीछे पत्नी और पांच बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। चार बेटियां और एक छोटा बेटा अभी नाबालिग हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मौत से परिवार के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। परिवार को सरकारी सहायता की आवश्यकता है।

झाड़ियों से मिला नवजात, सब्जी विक्रेता ने घर ले जाकर बचाई जान

संवाददाता–महराजगंज। घुघली थाना क्षेत्र में बैकुंठी नदी के पास काली मंदिर के निकट बुधवार को एक नवजात शिशु झाड़ियों में मिला। रेलवे ढाला वार्ड नंबर 11 के सब्जी विक्रेता हरिश्चंद्र ने शिशु को देखा और तुरंत अपने घर ले गए। हरिश्चंद्र ने बच्चे को पानी पिलाया और गर्म कपड़े में लपेटा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। नगर चौकी इंचार्ज अशोक गिरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघली में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर शिशु की स्थिति स्थिर बताई। पुलिस ने शिशु का मेडिकल परीक्षण कराया है। स्वास्थ्य की पुष्टि के बाद उसे चाइल्ड लाइन को सौंपा जाएगा। स्थानीय लोगों ने नवजात को झाड़ियों में छोड़ने की घटना पर आक्रोश जताया। कुछ लोगों का मानना है कि सामाजिक दबाव या पारिवारिक परिस्थितियों के कारण यह कदम उठाया गया होगा। हरिश्चंद्र की इस मानवीय कार्य के लिए चारों ओर सराहना हो रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि शिशु को झाड़ियों में किसने और क्यों छोड़ा।

एआरपी की अभद्रता पर भड़के शिक्षामित्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–बहराइच। बीआरसी तेजवापुर में प्रशिक्षण के दौरान अभद्रता से नाराज शिक्षामित्रों ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई है। शिक्षामित्र संगठन ने बीएसए को पत्र भेजकर ब्लॉक से ही एआरपी को हटाने की मांग की है। न हटाने पर प्रशिक्षण सत्र का बहिष्कार करने की भी चेतावनी दी गई है। संगठन का कहना है कि सरेआम लोगों के बीच महिला शिक्षामित्र से अभद्रता की गई है,जो अस्वीकार है।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के महामंत्री अयोध्या प्रसाद मौर्य ने बताया कि तेजवापुर बीआरसी पर चल रहे प्रशिक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय लोधनपुरवा में तैनात शिक्षामित्र ममता मिश्रा के साथ एआरपी की ओर से मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। हस्तक्षेप के बाद भी उनकी शगल में कोई सुधार नहीं हो रहा है। 50 प्रशिक्षुओं के बीच अभद्रता की गई है। इससे शिक्षामित्र संगठन भी आहत है।

संरक्षक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह रवैए शिक्षा व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। एआरपी क्षमा सिंह की ओर से स्कूलों में भी कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है। ऐसे में इनके साथ व इनकी देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इनको ब्लॉक से नहीं हटाया गया तो शिक्षामित्र प्रशिक्षण व दूसरे कार्यों को विरोध करेंगे। बीएसए आशीष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी ली जा रही है। वार्तालाप मामले का पटाक्षेप कराया जाएगा।

अनामिका शुक्ला को लखनऊ हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

संवाददाता–लखनऊ। लखनऊ हाईकोर्ट से बहुचर्चित अनामिका शुक्ला को राहत नहीं मिल सकी है। जस्टिस राजेश सिंह चौहान की बेंच में उनकी याचिका पर सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनवाई नहीं हो पाई है। अनामिका शुक्ला ने याचिका दायर करके गोंडा नगर कोतवाली में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी।

अनामिका शुक्ला ने अपनी याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार, गृह विभाग, गोंडा पुलिस अधीक्षक, नगर कोतवाली पुलिस और वादी प्रदीप कुमार पांडेय को पक्षकार बनाया था। मामले की शुरुआत तब हुई जब आवास विकास कॉलोनी के सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया।

उन्होंने बीएसए अतुल तिवारी, पटल लिपिक सुधीर सिंह, वित्त एवं लेखा अधिकारी सिद्धार्थ दीक्षित समेत कई लोगों को पक्षकार बनाया। प्रदीप लुमर पांडेय का आरोप है कि बेसिक शिक्षा विभाग में एक सिंडिकेट काम कर रहा है। यह सिंडिकेट युवाओं का डाटा हथियाकर विभिन्न विद्यालयों में फर्जी नियुक्तियां कर रहा है।

अनामिका शुक्ला के शैक्षिक अभिलेखों का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये का सरकारी धन का गबन किया गया है। इस बीच बीएसए अतुल कुमार तिवारी, सिद्धार्थ दीक्षित, सुधीर सिंह और अनुपम कुमार पांडे को 1 सितंबर को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। अदालत ने अगली सुनवाई तक इन चारों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। आज जस्टिस राजेश सिंह चौहान की बेंच द्वारा ही सुनवाई की जानी थी लेकिन सुनवाई नहीं हो पाई और अनामिका को राहत नहीं मिला है।

लंपी से चार पशुओं की मौत, एक हजार बीमार

संवाददाता–देवरिया। लंपी रोग की चपेट में आने से चार पशुओं की मौत हो चुकी है, जबकि एक हजार बीमार हैं। जिनका इलाज चल रहा है। जिले के 200 गांवों में लंपी रोग का प्रभाव है, जहां के पशुओं में यह बीमारी फैली है। वहीं इलाज करने से 500 लंपी पीड़ित पशु ठीक हो चुके हैं। लंपी बीमारी पर अंकुश लगाने को 500 गांवों में 42 हजार को टीके लगाये जा चुके हैं। प्रभावित गांव में अभियान चलाकर टीकाकरण किया जा रहा है। बरसात के सीजन में पशुओं में लंपी रोग का प्रकोप बढ़ने लगा है। गंदगी व पशुओं के रहने वाले स्थान की साफ–सफाई नहीं होने से यह बीमारी तेजी से पशुओं में फैलने लगी है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण अभियान के तहत लम्पी बीमारी से बचाव को टीकाकरण अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके प्रसार को देखते हुए शासन स्तर से 75 हजार टीके आये थे, इसमें 42 हजार पशुओं को टीका लगाया जा चुका है। लंपी बीमारी का प्रकोप रामपुर कारखाना के गोरयाघाट, रूद्रपुर के एकौना, पथरदेवा, लार तथा बीमार के सीमा वाले इलाकों में अधिक है। इसमें पशुओं के शरीर में बड़े–बड़े गांठ बन जा रहे हैं। पशु खाना–पीना छोड़ने लगते हैं। यह बीमारी लंपी रोग से पीड़ित पशुओं के साथ खाने, चरने, रहने से एक दूसरे में फैलता है। इसके बचाव के लिए साफ–सफाई जरूरी है। जिले में लंपी रोग का प्रसार तेजी से होने लगा है। अब–तक इसकी चपेट में एक हजार से अधिक पशु आ चुके हैं। सबसे अधिक गौवंशीय पशु इस बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। लंपी रोग से प्रभावित गांवों की संख्या बढ़कर 200 हो गयी है। पशु पालन विभाग की सक्रियता, पशु पालकों की जागरूकता से समय से इलाज की सुविधा मिलने से 500 पशु इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं। वहीं इस बीमारी से पीड़ित चार पशुओं की मौत हो चुकी है। इसमें अधिकांश पशुओं के छोटे बच्चे शामिल हैं। बीमारी का प्रसार रोकने को प्रभावित गांवों में पशु पालन विभाग की टीम द्वारा पशुपालकों को जागरूक करने के साथ ही टीकाकरण भी किया जा रहा है। अभी तक 500 गांवों में 42 हजार पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। लम्पी रोग का फैलाव रोकने को करें साफ–सफाई राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण अभियान के तहत लंपी बीमारी से बचाव को पशु चिकित्सालय बेतालपुर द्वारा टीकाकरण किया जा रहा है। क्षेत्र में 2400 पशुओं को टीका लगाया जा चुका है। पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी, पैरावेट रजनीश यादव, पंकज मणि, धर्मेन्द्र यादव, सुभाष चन्द्र ने ग्राम मिश्रौलिया, धतुरा खुर्द व पिपरा नायक में अभियान चलाकर 200 पशुओं को टीका लगाया। पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी ने लम्पी बीमारी से प्रभावित पशुओं को नहलाने को पशुपालकों को लाल दवा पोटेशियम परमैगनेट वितरित किया एवं रोग नियंत्रण को साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। पशु बाड़े के आस–पास गोबर, मूत्र आदि एकत्र न होने देने, चूना व किटाणु नाशक दवाओं का छिड़काव करने की सलाह दी। कहा कि यह बीमारी मच्छर,मक्खी व किलनी आदि से फैलता है तथा हल्दी, एलेवेरा का जेल, चूना तथा नीम का छाल, पत्ता, तेल आदि का पेस्ट बनाकर घाव पर लगाने से दो सप्ताह में पशु ठीक हो जाते हैं। जिले में लंपी रोग के प्रसार को लेकर विभाग काफी गंभीर है। इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। जिन क्षेत्रों में पशुओं में लंपी रोग का प्रभाव अधिक है वहां पर पशु पालन विभाग की टीम भेजकर इलाज कराने से लेकर पशुपालकों को जागरूक, टीकाकरण करने का कार्य किया जा रहा है। इलाज से 500 पशु रिकवर भी हो चुके हैं। 500 गांवों में 42 हजार से अधिक टीका लगाया जा चुका है।

नहीं कायम होगी नई परम्परा, माहौल बिगाड़ने पर होगी कार्रवाई -डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी त्योहारों को लेकर हुई केन्द्रीय शान्ति समिति की बैठक –अराजक तत्वों के साथ सोशल मीडिया की निगरानी के निर्देश श्रावस्ती, संवाददाता। बारावफात, दुर्गा पूजा, दशहरा व अन्य आगामी त्योहारों को शांति से सम्पन्न कराने को बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में केन्द्रीय शान्ति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी राहुल भाटी ने की। डीएम ने कहा कि आगामी दिनों ईद–ए–मिलाद, दुर्गा पूजा, दशहरा आदि त्योहार आने वाले हैं। सभी त्योहारों को दोनों धर्मों के लोग आपस में मिल–जुलकर मनाएं। कोई भी नई परम्परा न कायम की जाए। त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

इसलिए सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट बिलकुल न करें। ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारी, उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, बीडीओ, एडीओ पंचायत तथा विद्युत, लोक निर्माण आदि विभागों के अधिकारियों को जुलूस मार्गों की मरम्मत, जर्जर भवनों और ढीले विद्युत तारों की मरम्मत के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि त्योहार के मौके पर गुड पुलिसिंग व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने लोगों से अपील की कि शासन की गाइडलाइन और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। त्योहार के दौरान अराजक तत्व शान्ति में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए उनको पहले ही चिन्हित कर पाबन्द किया जाय। उन्होंने सभी सीओ, थानाध्यक्षों व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। कोई समस्या हो तो उसका निराकरण करें। छोटी–छोटी घटनाओं को गम्भीरता से लें। बैठक में एडीएम न्यायिक अशोक कुमार, एएसपी मुकेश चन्द्र उत्तम, डीएफओ धनराज मीणा, सीएमओ डा. एके सिंह, एसडीएम भिनगा आशीष भारद्वाज, एसडीएम इकौना पीयूष जायसवाल, एसडीएम जमुनहा आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरण

संवाददाता–बहराइच। महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में बुधवार को स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरण समारोह आयोजित किया गया। प्रदेश सरकार की इस पहल का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को सुलभ और आधुनिक बनाना है।

कार्यक्रम में सदर विधायक अनुपमा जायसवाल और बहराइच–श्रावस्ती की एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरित किए। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह उपकरण विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करेंगे।

चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय खत्री ने समारोह की अध्यक्षता की। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हर विद्यार्थी को तकनीकी संसाधन मिलें। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाएगी।

कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित तरीके से हुआ। डॉ. राजेन्द्र शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. एम.एम. एम. त्रिपाठी, उप–प्रधानाचार्य डॉ. मलिक, डॉ. अरविंद शुक्ला, डॉ. ईशान पराशर और अस्पताल प्रबंधक रिजवान सहित कई संकाय सदस्य, विद्यार्थी और कर्मचारी मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से किसान की मौत

संवाददाता–गोण्डा। शौच के लिए सुबह खेत गए एक 60 वर्षीय किसान का पैर फिसलने से तालाब में डूब कर मृत्यु हो गई। शव घर पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। ग्राम डेलईपुरवा बसंतपुर निवासी मृतक भल्लर यादव (60) के पुत्र जगदीश यादव ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे उसके पिता खेत में शौच के लिए गए हुए थे लेकिन घंटों बाद जब वे घर वापस नहीं लौटे तो उनकी खोजबीन की जाने लगी। ग्राम नकटी टेपरा बसंतपुर खेत में जाने पर तालाब में उनका शव उतराता दिखा। आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह उन्हें तालाब से बाहर निकाला गया।

बुर्काधारी युवकों ने किया दिन दहाड़े की लूट

संवाददाता–बलरामपुर। बहुती गांव में बुधवार दोपहर एक बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। दो बुर्काधारी युवक भीख मांगने के बहाने बिस्मिल्ला के घर में घुस गए। उन्होंने पहले महिलाओं से पांच–पांच रुपए लिए। फिर राशन और चावल की मांग की। जब घर की महिला शहनाज राशन लाने अंदर गई, तो आरोपी भी उसके पीछे घर में घुस आए। उन्होंने तमंचा और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। फिर अलमारी खुलवाकर 40 हजार रुपए नगद और सोने–चांदी के जेवरात लूट लिया। लूटपाट के दौरान आरोपियों ने महिला के मुंह पर नशीली दवा लगा रूमाल रख दिया। इससे महिला बेहोश हो गई। घटना के समय घर में कोई पुरुष मौजूद नहीं था। कुछ लोग बच्चों को स्कूल लेने गए थे। कुछ नमाज पढ़ने गए थे। होश आने पर महिला ने परिजनों और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना अध्यक्ष ओपी सिंह चौहान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी के 8 पीड़ितों को मिली राहतः पुलिस ने 2.59 लाख रुपए कराया वापस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। साइबर ठगी के शिकार हुए 8 लोगों को उनकी खोई हुई रकम वापस मिल गई है। पुलिस की सक्रियता से कुल 2 लाख 59 हजार 300 रुपए की धनराशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई है। पीड़ितों में सेहरी बुजुर्ग की अंजू यादव को 10 हजार रुपए और बासापार के दुर्गेश कुमार दूबे को 30 हजार रुपए वापस मिले हैं। सेहरी बुजुर्ग के ओमप्रकाश को 20 हजार रुपए और गनवरिया के रामलल्लन को सबसे अधिक 1 लाख 27 हजार 500 रुपए लौटाए गए हैं। विशुनपुरवा की सुमन को 10 हजार रुपए, खोरिया रघुवीर सिंह की विनीता को 18 हजार रुपए मिले हैं। गौरी पाठक की आशा देवी को 3 हजार 800 रुपए और कम्हरिया बुजुर्ग की कृष्णा को 40 हजार रुपए वापस कराए गए हैं। इस सफलता में थानाध्यक्ष अमित कुमार, उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह समेत पथरा बाजार थाने और साइबर थाना सिद्धार्थनगर की टीम का योगदान रहा है। पीड़ितों ने राहत जताते हुए कहा कि साइबर फ्रॉड में पैसा वापस मिलना दुर्लभ होता है। स्थानीय लोगों के अनुसार साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ठग नए–नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि अजनबी कॉल, लिंक या फर्जी ऑफर से सावधान रहें। संदिग्ध लेन–देन की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने में सूचना दें।

पुलिस का बारावफात से पहले पूर्वाभ्यास

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बारावफात त्योहार की तैयारियों के मद्देनजर रिजर्व पुलिस लाइन्स में पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के नेतृत्व में हुए इस अभ्यास में दंगा निरोधक उपकरणों का प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस बल को छोटे–छोटे दलों में बांटा गया। प्रत्येक टीम को विभिन्न परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया। अभ्यास में लाठीचार्ज, आंसू गैस, रबर बुलेट गन, एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, मिर्ची बम और हैंड ग्रेनेड के प्रयोग का प्रशिक्षण शामिल था। पुलिस बल को विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि आपात स्थिति में कौन सी टीम कब और कैसे कार्रवाई करेगी। एसपी डॉ. महाजन ने कहा कि बारावफात पर बड़ी भीड़ जुटती है। किसी भी अफवाह या विवाद से माहौल बिगड़ सकता है। उन्होंने जवानों को ड्यूटी के दौरान संयम रखने और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अभ्यास में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष और प्रतिसार निरीक्षक सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। पुलिस बल ने अनुशासन और तत्परता के साथ अपना कौशल प्रदर्शित किया।

स्मार्ट मीटर घोटाले से बिजली निगमों का बकाया खतरे में

संवाददाता–गोरखपुर। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर घोटाले पर गंभीर सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि इस घोटाले से विद्युत वितरण निगमों का लगभग 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपये का बकाया राजस्व डूबने की कगार पर है। आरोप यह भी है कि निजीकरण की तैयारी के तहत स्मार्ट मीटर लगाने की आड़ में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी (डाउन साइजिंग) की जा रही है।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सीतापुर और गोण्डा जैसे जिलों में सामने आए स्मार्ट मीटर घोटाले किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकते हैं। आरोप है कि मीटर लगाने वाली कंपनियों ने पुराने मीटर की रीडिंग शून्य कर दी या नष्ट कर दी, जिससे अरबों रुपये का बकाया वसूलना मुश्किल हो गया है। समिति ने कहा कि फिलहाल निगमों पर उपभोक्ताओं का 1.15 लाख करोड़ रुपये बकाया है, जबकि घाटे का आंकड़ा 1.10 लाख करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यदि बकाया वसूल लिया जाए तो घाटा खत्म होकर निगम को 5 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो सकता है। अब तक करीब 34 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 6 लाख वापस नहीं किए गए। समिति ने दावा किया कि स्मार्ट मीटर निजीकरण की शर्त है और इसके बाद निजी कंपनियों को बिना किसी बाधा के सीधे राजस्व मिलता रहेगा। निजीकरण की तैयारी में कर्मचारियों पर दबाव बढ़ा है। वर्ष 2017 में ग्रामीण क्षेत्र में प्रति सबस्टेशन 20 और शहरी क्षेत्र में 36 कर्मचारियों का प्रावधान था। अब इसे घटाकर क्रमशः 12.5 और 18.3 कर दिया गया है। समिति का आरोप है कि यह संविदा कर्मचारियों को हटाने की साजिश है।

प्रदीप, हरिसेवक और पवन को किसान कांग्रेस में मिली जिम्मेदारी

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की जमीन को मजबूत बनाने के लिए उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस पूर्वी जोन के नए पदाधिकारी घोषित हो गए हैं। गोरखपुर के भौवापार निवासी प्रदीप नाथ शुक्ला को पूर्वी जोन का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।कसिहार कौड़ीराम निवासी हरिसेवक त्रिपाठी को पूर्वी जोन का सचिव और धस्ती कौड़ीराम निवासी पवन राय उर्फ मोनू को गोरखपुर किसान कांग्रेस का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर पदाधिकारियों ने प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, आल इंडिया कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, पूर्वी जोन अध्यक्ष राम भवन शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया है। विश्वास दिलाया कि पूरी निष्ठा से संगठन की मजबूती और प्रसार के लिए काम करेंगे। इन पदाधिकारियों की नियुक्त पर कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष राजेश तिवारी, महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद, ज्ञान पाण्डेय, डॉ एसपी त्रिपाठी, जयंत पाठक, अशरफ आलम, सैय्यद जमाल अहमद, रामसमुझ, श्रीश उपाध्याय, प्रवीन तिवारी, श्रवण पाण्डेय, अनिल सोनकर समेत अन्य ने आभार व्यक्त किया है।

बच्चे की करंट लगने से मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के उमर बान गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। ननिहाल आए 7 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान फरीदपुर मुहल्ला, जलालपुर के रहने वाले इरशाद के रूप में हुई है। इरशाद बुधवार को अपनी मां आसमा खातून के साथ मालीपुर क्षेत्र के उमरबान गांव में ननिहाल आया था। घर के पास विक्रम सिंह की आटा चक्की है। परिजनों के अनुसार, विक्रम ने घर और चक्की के बीच के रास्ते में बिजली का तार लगा रखा था। खेलते समय इरशाद इस तार के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर ले गए। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चार बहनों का इकलौता भाई इरशाद की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने आटा चक्की मालिक पर जानबूझकर करंट फैलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ मालीपुर स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

गर्भवती महिलाओं की जांच में लापरवाही, एमसीपी कार्ड में आरसीएच नंबर तक नहीं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में गंभीर खामियां सामने आई हैं। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने बुधवार को विकास खंड उसका बाजार के उपकेन्द्र गंगाधरपुर में बीएचएनडी दिवस पर औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में गर्भवती महिलाओं की जांच में कई कमियां मिलीं। एमसीपी कार्ड में आरसीएच नंबर दर्ज नहीं था। ड्यू लिस्ट अपडेट नहीं की गई थी। गर्भवती महिलाओं का नियमित फॉलोअप भी नहीं हो रहा था। स्वास्थ्य केंद्र में और भी कई खामियां सामने आईं। आशा डायरी अधूरी मिली। आंगनबाड़ी कार्यकत्री का रजिस्टर अपूर्ण था। सैम–मैम बच्चों के पोषण वितरण में भी त्रुटियां पाई गईं।

जिलाधिकारी ने इन कमियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने एमओआईसी, एएनएम पीयूषलता और सीएचओ से स्पष्टीकरण मांगा। उन्हें खुद एचआरपी महिला से फोन पर संपर्क करना पड़ा। यह स्थिति दर्शाती है कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

इससे गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ रहा है। विभाग की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो रहा है।

त्योहारों में शांति बनाए रखने की तैयारी, गीडा थाने में पीस कमेटी की बैठक, दोनों समुदायों ने ली शांति की शपथ

संवाददाता–गोरखपुर। बुधवार को गीडा पुलिस थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आने वाले त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाना था। प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी अरुण कुमार एस ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दोनों समुदायों के प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया। सभी ने त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली। इस दौरान सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

आईपीएस अधिकारी अरुण कुमार एस ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से एक साथ मिलकर रहते आए हैं। यह हमारी संस्कृति और भाईचारे की पहचान है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के कई महत्वपूर्ण त्योहार हैं।

उन्होंने सभी से अपील की कि वे इन खुशियों के मौकों को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाएं, लेकिन साथ ही कानून और व्यवस्था का भी पूरा सम्मान करें।घ्उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों को मनाने के लिए प्रशासन द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति या समूह को कोई नई परंपरा या प्रथा शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि कोई ऐसा करने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आईपीएस अधिकारी ने कहा कि सभी को कानून के दायरे में रहकर ही अपने त्योहार मनाने होंगे।घ

बैठक के दौरान, गीडा थाने के प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने भी उपस्थित लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन हर स्थिति पर पैनी नजर रखेगा और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैयार है। बैठक में यसयसआई आर के पांडे, अभिनव मिश्रा, संतोष सिंह, अंकुर पाण्डेय, आदित्य मोदनवाल, और मोहम्मद सगीर सहित कई स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना और उन्हें यह समझाना था कि त्योहारों का सही अर्थ प्रेम, भाईचारा और शांति फैलाना है, न कि किसी भी प्रकार की अशांति या विवाद का कारण बनना। प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच इस तरह की बातचीत से निश्चित रूप से आगामी त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

स्वयं सहायता समूह को अवैध भुगतान

संवाददाता–संतकबीरनगर। विकास खंड सांथा में सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। कसया ग्राम पंचायत में जनता स्वयं सहायता समूह मेंहदूपार को राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त आयोग से 20 लाख रुपए का अनियमित भुगतान किया गया। ई–ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड बिल से यह मामला उजागर हुआ। समूह ने 28 अगस्त 2025 को कमालुद्दीन के घर से हरिनाथ के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य के लिए 1,08,185 रुपए निकाले। वित्तीय वर्ष 2024–25 और 2025–26 में समूह ने कुल 20 लाख रुपए प्राप्त किए। जांच में पता चला कि फर्म का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है। न तो दुकान मिली और न ही कोई सामान। फर्म संचालक ने खुद फोन पर दुकान न होने की बात स्वीकार की। नियम के अनुसार, स्वयं सहायता समूह केवल केयर टेकर का मानदेय और मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में ही काम कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, भुगतान में 15 प्रतिशत कमीशन का खेल चल रहा है। इसमें से 5 प्रतिशत एडीओ पंचायत के हिस्से में जाता है। एडीओ पंचायत मोइनुद्दीन सिद्दीकी के संरक्षण में प्रधान और सचिव की मिलीभगत से यह घोटाला किया गया।

दिल्ली के लिए अयोध्या से एक और फ्लाइट स्पाइस जेट शुरू करेगी दो उड़ानें

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी से शीघ्र ही कुछ और उड़ानें बढ़ेंगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इस माह से दिल्ली की नई उड़ान आरंभ भी कर दी है। दोपहर एक बजकर 40 मिनट पर यह फ्लाइट दिल्ली से आएगी, जबकि दोपहर दो बजकर 10 मिनट पर वापस जाएगी। अक्टूबर माह में स्पाइस जेट यहां से दो उड़ानें आरंभ करेगी। हालांकि, अभी स्थान तय नहीं है, लेकिन एयरपोर्ट पर स्पाइस जेट का स्पेस पहले से आवंटित भी है। कुछ कारणों से स्पाइस जेट ने यहां से उड़ानें बंद कर दी थीं, जो अक्टूबर से फिर से आरंभ होंगी। रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के ठीक पहले महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की शुरुआत वर्ष 2023 के दिसंबर माह में हुई थी। शुरुआती दौर में यहां करीब नौ फ्लाइटें आती और इतनी ही जाती थीं, लेकिन बीते जून माह तक यहां से सिर्फ तीन नियमित उड़ानें ही रह गईं। इतनी ही आती और जाती हैं।दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई के लिए ही नियमित उड़ानें हैं, जबकि हिसार से सप्ताह में सिर्फ दो दिन उड़ानें हैं। इस समय दिल्ली के लिए सिर्फ इंडिगो की फ्लाइट रह गई थी। अब एयर इंडिया ने भी दिल्ली की उड़ान आरंभ कर दी है। वहीं रविवार व शुक्रवार को एलायंस एयर की हिसार से फ्लाइट आती हैं। इंडिगो की हैदराबाद की फ्लाइट भी सप्ताह में चार दिन आती है। हैदराबाद से शनिवार, रविवार, सोमवार व बुधवार को फ्लाइट आती है। वहीं अहमदाबाद की उड़ान सेवा भी इंडिगो ही दे रही है। अहमदाबाद की फ्लाइट मंगलवार को आती है। पहले चेन्नई, जयपुर, पटना, दरभंगा, देहरादून के लिए भी अयोध्या से उड़ानें थीं, लेकिन अब इन शहरों के लिए उड़ानें बंद हो चुकी हैं। यहां से एयर इंडिया, एलायंस एयर, आकासा, स्पाइस जेट, इंडिगो एयरलाइंस अपनी सेवाएं दे रही थीं, जिसमें स्पाइट जेट ने अपनी उड़ानें पूरी तरह बंद कर दी हैं। वर्तमान समय में बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद व अहमदाबाद की फ्लाइट हैं। एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि अक्टूबर माह से उड़ानों की संख्या और बढ़ेगी।

मर्चेंट नेवी के इंजीनियर से नौकरी के नाम पर जालसाजी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ क्षेत्र में एक मर्चेंट नेवी के इंजीनियर के साथ जालसाजी का मामला सामने आया है। इंजीनियर को नई कंपनी में अच्छे पैकेज पर जॉब का ऑफर देकर जालसाज ने पैसे लिए। बदले में फर्जी एयर टिकट भेज दिया। इसकी वजह से इंजीनियर को आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होना पड़ा। इंजीनियर की तहरीर पर गोरखनाथ थाने में विशाल नाम के एजेंट के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस बैंक के डिटेल के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गोरखनाथ क्षेत्र के ग्रीन सिटी फेज–2 के निवासी आशुतोष शुक्ला (35) ने केस दर्ज कराया। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह मर्चेंट नेवी में सेकेंड इंजीनियर के पद पर काम करते हैं। मर्चेंट नेवी में उनके दोस्त राजेश्वर मिश्र भी काम करते हैं। उन्होंने एक विशाल नाम के एजेंट का मोबाइल नंबर दिया। विशाल से कॉल कर बात की। विशाल ने बताया कि एक कंपनी में जगह खाली है, उसमे जॉब मिल सकती है। अच्छी सैलरी भी रहेगी। इसके लिए शुरू में एक लाख 18 हजार 750 रुपये जमा करने होंगे। पीड़ित का आरोप है कि एजेंट ने कहा था कि जॉब लगने के बाद ये पैसे आपके बैंक खाते में वापस हो जाएंगे। यह कंपनी की एक प्रक्रिया है। एजेंट की बातों पर विश्वास करके 28 अगस्त को 40 हजार रुपए फोन पे के माध्यम से भेज दिए। 29 अगस्त को फिर 40 हजार रुपये भेजे। 30 अगस्त को 38750 रुपये एजेंट के बैंक खाते में भेजे। इसके बाद एजेंट ने उनके मेल पर कंपनी का कांट्रेक्ट लेटर और साथ में एयर टिकट भेजा। दो सितंबर को जब एयरलाइंस से संपर्क किया तो पता चला कि टिकट फर्जी है। इसके बाद एजेंट को लगातार फोन मिलाना शुरू कर दिया। उसने रिसीव नहीं किया। बाद में उसके मोबाइल पर मैसेज भी किया, इसका भी जवाब उसने नहीं दिया। तब मुझे पता चला कि उनके साथ जालसाजी हुई है। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित कर रही हूं कि पहले मेरा नाम हुस्न दुखतरी था। अब मुझे दूखतरुन निशा पत्नी मोहम्मद साबरीन , ग्राम बिगरामीर पो. –सेमरियावां थाना, दुधारा, संतकबीरनगर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित कर रहा हूँ कि पहले मेरा नाम अब्दुल रहमान था। अब मै अपना नाम बदल कर तुफैल अहमद पुत्र गुलाम हजरत ग्राम व पोस्ट करही थाना दुधारा जिला संतकबीरनगर के नाम से जाना पहचाना जाए।

24 घंटे में सरयू का जलस्तर 18 सेमी बढ़ा, राप्ती घट रही

संवाददाता–गोरखपुर। सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से अयोध्या से लेकर दक्षिणांचल में खतरा बना हुआ है। तुर्तीपार में सरयू नदी हर घंटे करीब एक सेंटीमीटर बढ़ रही है। वहीं अयोध्या में सरयू नदी स्थिर है। राप्ती और रोहिन नदी का जलस्तर लगातार कम हो रहा है। सरयू नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। तुर्तीपार में सरयू नदी खतरे के निशान से 36 सेंटीमीटर ऊपर है। पिछले 24 घंटे में जलस्तर में 18 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। वहीं अयोध्या में सरयू नदी खतरे के निशान से 31 सेंटीमीटर ऊपर है। पिछले 24 घंटे से नदी यहां स्थिर है। वहीं राप्ती नदी बर्डघाट में खतरे के निशान से काफी नीचे है। यहां जलस्तर घटा है। नदी खतरे के निशान से 3.17 मीटर नीचे बह रही है। वहीं रोहिन नदी भी त्रिमुहानी घाट पर लगातार घट रही है। यहां खतरे के निशान से रोहिन 3.93 सेंटीमीटर नीचे है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–304/2023
रामलौट आदि
बनाम
मोतीलाल आदि

2. विशाल उम्र लगभग 36 वर्ष 3. जयकिशन उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्रगण मोतीलाल निवासीगण मौजा टिकरी तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–C2024170000001397
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
रामदास आदि
बनाम
विनोद आदि

1. विनोद 2. पन्ने लाल 3. जयराम 4. सुन्दर पुत्रगण सुरवारी 5. सर्वजीत पुत्र रामउजागिर 6. रामसूरत पुत्र बृजलाल 7. त्रिभुवन पुत्र सुन्दर 8. ग्राम सभा/अध्यक्ष भू0प्र0 समिति गौसपुर 9. उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीरनगर
साकिना गौसपुर तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 30–09–2025

अपील बनराजी के अदालत मुकाम
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 03 माह 09 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– T202412650210080
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय खलीलाबाद संतकबीर नगर
योगेन्द्र
बनाम
हरिश्चन्द्र आदि

1. हरिश्चन्द्र पुत्र विश्वनाथ 2. मिन्टू पुत्र सुभाषचन्द्र 3. श्रीमती तीजा देवी पत्नी सुभाष चन्द्र साकिन मौजा कस्बा पुरानी तहसील खलीलाबाद तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 4. नगर पंचायत खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर जरिये अध्यक्ष 5. राज्य सराकर उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीरनगर

तारीख पेशी 13–10–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) बांसी सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 43/2025

1. हजरतुन्निशा उम्र लगभग 54 वर्ष पत्नी अब्दुल रसीद 2. सोनिया खातून उर्फ शहनाज खातून उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्री अब्दुल रसीद 3. मुनिया खातून उर्फ सैययदा खातून उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्री अब्दुल रसीद 4. रूकसाना खातून उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्री अब्दुल रसीद 5. रिजवाना खातून उर्फ रजिवाना खातून उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्री अब्दुल रसीद 6. गुलाम मैनुद्दीन उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र अब्दुल रसीद साकिनान बनुहियाखुर्द तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट

तारीख पेशी 01–11–2025

प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 11 के 01 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) बांसी सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद संख्या 758/2000
कर्मवीर
बनाम
ओम प्रकाश आदि

1/1 शालनी 1/2 सीमा देवी पुत्रीगण ओम प्रकाश 1/3 विन्दू देवी पत्नी ओम प्रकाश साकिनान ग्राम रतना तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील वर्तमान रूधौली जिला बस्ती 4/2/1 निर्मला पत्नी उमकेश 4/2/2 बिजेश 4/2/3 दुगेश पुत्रगण मुकेश 4/2/4 नन्दनी 4/2/5 अंजनी 4/2/6 रजनी पुत्रीगण उमकेश साकिनान ग्राम रतना तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील वर्तमान रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 03 माह 09 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com